Dr. Girija Oraon
Associate professor
Deptt of psychology
Rohtas mahila college, Sasaram

Date: / /
Page No.:

B.A. part-II paper III Group A

4. व्यक्तिगत अनुभव :— सम्प्रतिक सामाजिक अध्ययनकर्ता में प्राक्कल्पना को सामान्य व्यक्तिगत अनुभवों अथवा घटनाओं को विशेष दृष्टिकोणों पर आधारित करने की प्रवृत्ति देखी जाती है। न्यूटन ने पृथ्वी की गुरुत्वाकर्षण शक्ति का पता लगाने के लिए, डार्विन ने जीवन-संघर्ष के कारणों का पता लगाने के लिए तथा जीवन-क्षमता को जानने के लिए प्राक्कल्पना की थी। माल्थस का जनसंख्या-संबंधी सिद्धांत भी व्यक्तिगत अनुभवों पर ही आधारित था। आज हम सामाजिक समस्याओं तथा छात्र-अनुशासनहीनता एवं छात्र असंतोष, छात्र-व्यवहार, सह-शिक्षा, अध्यापकों के प्रति छात्र-छात्राओं के व्यवहार, परिवार नियोजन के प्रति जन सामान्य की विचारधारा, अन्तर्जातीय विवाह, विधवा-विवाह, बाल-विवाह, संयुक्त परिवारों के सदस्यों की स्थिति आदि के संबंध में व्यक्तिगत अनुभवों के आधारों पर ही प्राक्कल्पनाओं का निर्माण होता है।

5. प्राह्न उपकल्पनाओं का विश्लेषण (Analysis of available hypothesis). — जिन उपकल्पनाओं का अध्ययन किया जा चुका है, उन उपकल्पनाओं के विश्लेषण से भी प्रायः नई उपकल्पना का जन्म होता है। प्रायः कुछ उपकल्पनाओं का परीक्षण जिस समय किया जाता है, उस समय कुछ ऐसे प्रत्यय अछूते रह

Scanned with CamScanner

जाते हैं जिनका अध्ययन तकनीकी सुविधाओं के अभाव में नहीं हो पाता है। अतः उपकल्पनाओं का विश्लेषण करने पर जो तथ्य आज प्राप्त होते हैं उनके अध्ययन के लिए नई उपकल्पना विकसित हो जाती है और उनका परीक्षण किया जाता है। उदाहरणार्थ, जब बहुचरीय विश्लेषण का विकास नहीं हुआ था तब एकचरीय (Univariate) उपकल्पना का ही विकास हुआ और उसका अध्ययन किया गया परन्तु फिशर महोदय द्वारा सांख्यिकीय विधियों का विकास करने पर आज उन्हीं उपकल्पनाओं का नवीन उपकल्पनाओं के रूप में बहुचरीय विश्लेषण (Multivariate analysis) विधि से अध्ययन किया गया है।

6. सृजनात्मक चिन्तन (Creative thinking):— सृजनात्मकता हर प्रकार के शोध की आत्मा है। किसी भी प्रकार के शोध कार्य में, सृजनात्मकता किसी-न-किसी अंश में विद्यमान रहती है। अतः नवीन उपकल्पनाओं का विकास और जन्म अधिकांशतः सृजनात्मक चिन्तन पर आधारित होता है। सृजनात्मक चिन्तन द्वारा व्यक्ति नवीन संबंधों का कल्पना करता है, उनका विकास करता है, और इस विकसित विचार से प्रेरित होकर उनके परीक्षण एवं सत्यापन के लिए नवीन उपकल्पनाओं को जन्म देता है।

7. क्षेत्र-विशेष में अनुसंधान (Research in particular field):— किसी क्षेत्र विशेष में हुए अनुसंधानों के परिणामों से भी नई उपकल्पनाओं का जन्म होता है। इससे हमें यह ज्ञात हो जाता है कि उस क्षेत्र के ज्ञान में खाई (Gap) कहाँ है। इस खाई की पूर्ति के लिए उपकल्पनाओं का विकास कर और उनके अध्ययन के द्वारा खाई को पाटने की चेष्टा की जाती है।

Scanned with CamScanner

इसी प्रकार किसी क्षेत्र विशेष में हुए अनुसंधान के अध्ययन से हमें विरोधी परिणामों का ज्ञान प्राप्त होता है। इस विरोध को समाप्त करने के लिए नई उपकल्पनाओं का विकास कर हम सही परिणामों की स्थापना कर सकते हैं।

Scanned with CamScanner